ANNUAL REPORT OF HISTORY DEPARTMENT

2025-2026

1. The Department of History paid tribute to the martyrs of Haryana on **September 23, 2026**, to commemorate **Haryana's Heroes Day**.

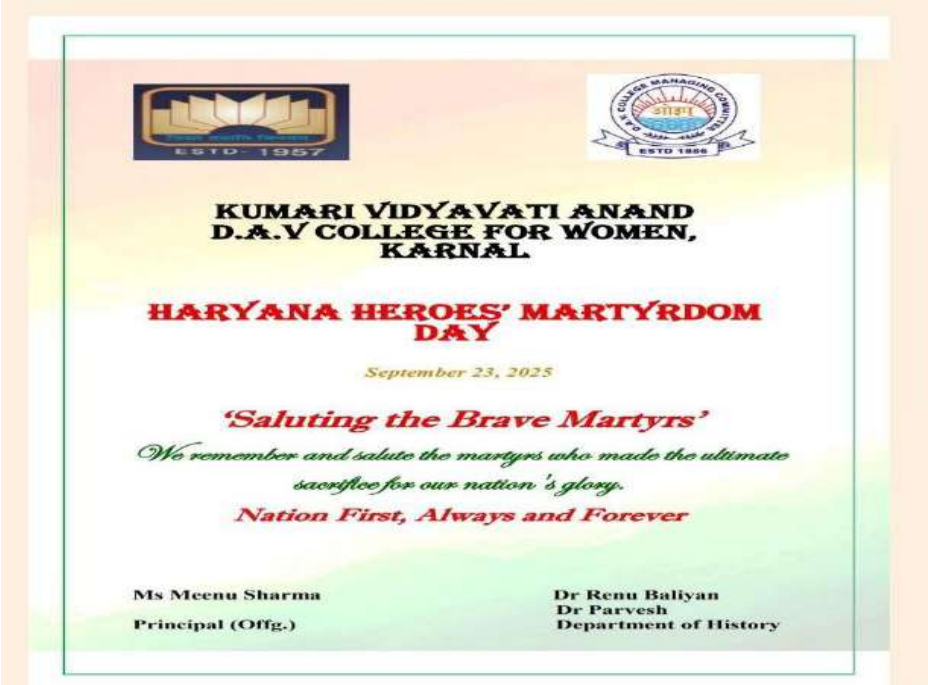

2. The Department of History at KVA DAV College for Women, in collaboration with the Archaeology and Museums Department, Haryana, successfully organized a two-day heritage program on 25–26 September, 2025.

   On the **first day**, the event commenced with an engaging and informative **PPT presentation by** Dr. Suruchika Chawla, Supervisor**,** who spoke on **terracotta findings from various archaeological sites in Haryana.** She highlighted their historical significance and provided valuable insights into the region's rich cultural heritage.

A **pottery-making workshop** was also organized for students, in which around **80 students** enthusiastically participated. The workshop provided hands-on experience in crafting traditional clay art pieces, helping students connect practically with ancient artistic traditions. The presence and guidance of **Dr. Suruchika Chawla (Supervisor)**, **Mr. Vinit Bhanwala (Consultant)**, and **Mr. Vijay Dahiya (Draughtsman)**, along with their team from the Archaeology and Museums Department, Haryana, significantly enriched the knowledge of students and visitors.

DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL
DEPARTMENT OF HISTORY

DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL
DEPARTMENT OF HISTORY

3. **A one-day exhibition** was also organized featuring replicas of ancient sculptures and artifacts, along with documentaries that offered deeper insights into past civilizations. Faculty members and students from various institutions, including Dyal Singh College and Government College for Women, actively participated in the event. The program aimed to familiarize students with Haryana's glorious historical traditions. It witnessed

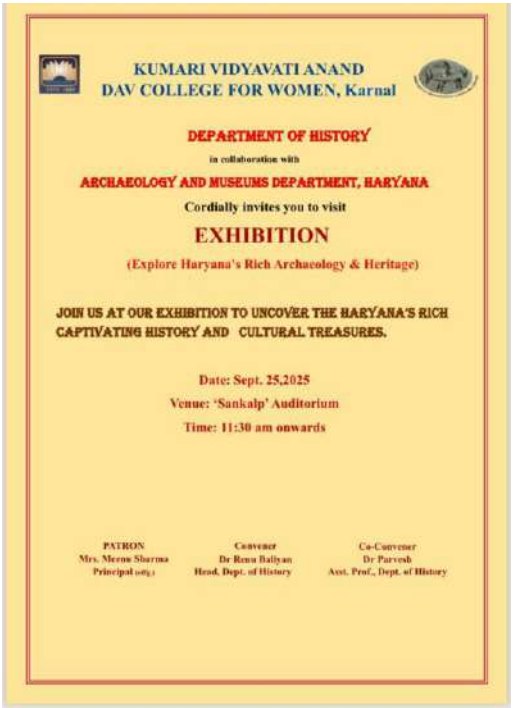

an overwhelming response, with around 1000 students, faculty members, and non-teaching staff visiting the exhibition with great enthusiasm.

……Some Glimpses of the Exhibition ……

GPS Map Camera
Karnal, Haryana, India
Mxqm+gc8, New Janta Market, Sadar Bazar, Karnal, Haryana 132001, India
Lat 29.689193° Long 76.983874°
25/09/2025 12:01 PM GMT +05:30
Google
GPS Map Camera
Karnal, Haryana, India
Mxqm+gc8, New Janta Market, Sadar Bazar, Karnal, Haryana 132001, India
Lat 29.689326° Long 76.983957°
25/09/2025 12:01 PM GMT +05:30
Google

DEPARTMENT OF HISTORY

Principal Smt. Meenu Sharma ji along with Mr Vinit, Archaeology and Museums Department, Haryana

GPS Map Camera
Karnal, Haryana, India
Mxqm+gc8, New Janta Market, Sadar Bazar, Karnal, Haryana 132001, India
Lat 29.689187° Long 76.984056°
25/09/2025 12:23 PM GMT +05:30
Google

Department of Archaeology and Museums, Haryana

Department of Archaeology and Museums, Haryana

POTSHERDS

Department of Archaeology and Museums, Haryana

DEPARTMENT OF HISTORY
GPS Map Camera
Karnal,Haryana,India
Timber Market, Sector 22, Karnal, Haryana
132001, India
Lat 29.689210, Long 76.984029
09/25/2025 11:01 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

GPS Map Camera
Karnal, Haryana, India
Mxqm+gc8, New Janta Market, Sadar Bazar, Karnal, Haryana 132001, India
Lat 29.688101° Long 76.983852°
25/09/2025 12:05 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Karnal,Haryana,India
Timber Market, Sector 22, Karnal, Haryana 132001, India
Lat 29.689159, Long 76.983985
09/25/2025 11:03 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

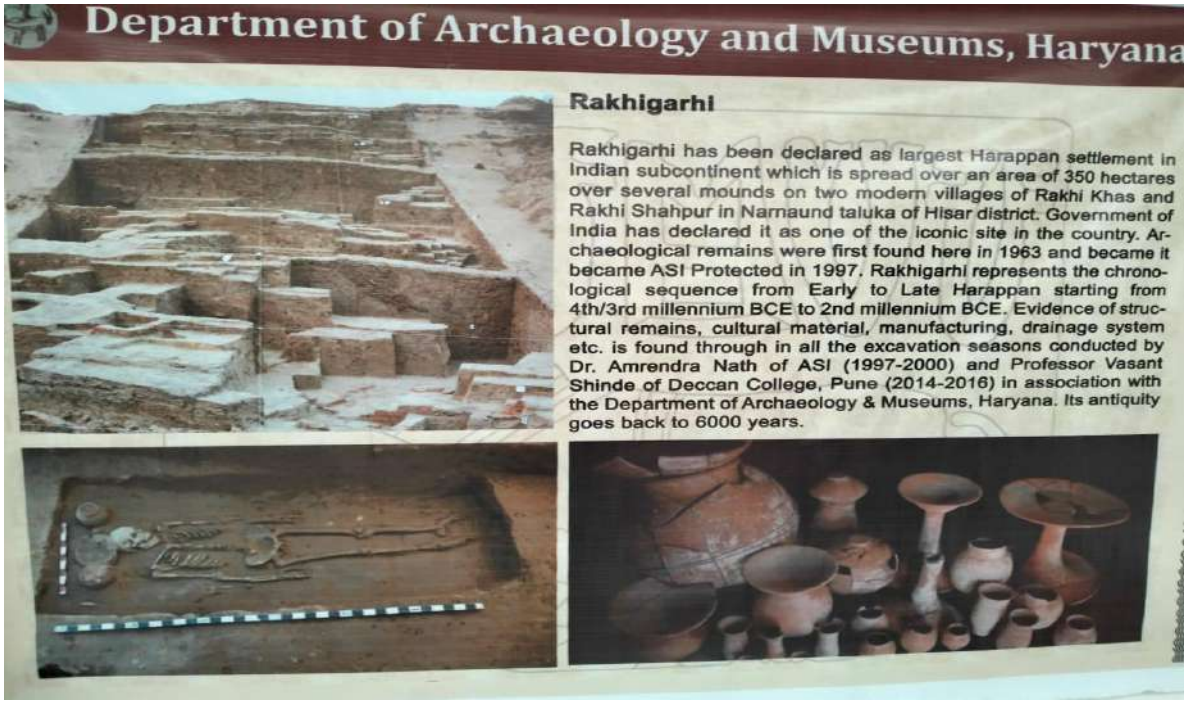
Department of Archaeology and Museums, Haryana
Rakhigarhi
Rakhigarhi has been declared as largest Harappan settlement in Indian subcontinent which is spread over an area of 350 hectares over several mounds on two modern villages of Rakhi Khas and Rakhi Shahpur in Narnaund taluka of Hisar district. Government of India has declared it as one of the iconic site in the country. Archaeological remains were first found here in 1963 and became it became ASI Protected in 1997. Rakhigarhi represents the chronological sequence from Early to Late Harappan starting from 4th/3rd millennium BCE to 2nd millennium BCE. Evidence of structural remains, cultural material, manufacturing, drainage system etc. is found through in all the excavation seasons conducted by Dr. Amrendra Nath of ASI (1997-2000) and Professor Vasant Shinde of Deccan College, Pune (2014-2016) in association with the Department of Archaeology & Museums, Haryana. Its antiquity goes back to 6000 years.

Department of History

Department of History

मिट्टी से कलाकृतियां बना पुरानी सभ्यता को किया जीवित

केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में कार्यक्रम की शुरुआत करते कालेज प्राचार्य व अन्य।(दाएं) पुरानी भारतीय संस्कृति के तहत कलाकृतियां बनाते हुए विद्यार्थी।

जागरण संवाददाता • करनाल : पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग हरियाणा और केवीए डीएवी कालेज फार वुमेन के इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रदर्शनी एवं पाटरी वर्कशाप का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की प्राचीन मूर्तियों एवं सभ्यता से जुड़े अवशेषों की प्रतिकृतियों को प्रदर्शित किया गया। पाटरी वर्कशाप में विद्यार्थियों ने पारंपरिक मिट्टी की

• केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में प्रदर्शनी एवं पाटरी वर्कशाप का आयोजन

कला को प्रत्यक्ष रूप से सीखा और अनुभव किया। कालेज प्राचार्या मीनू शर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापिकाएं डा. मंजू सिंह, डा. संगीता गौरांग, डा. सुषमा ठाकुर, डा. सुनीत भंडारी, डा. अंजू नरवाल, इतिहास विभाग की अध्यक्ष डा. रेनू बालियान एवं प्राध्यापिका डा. परवेश ने पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा से आए प्रतिनिधियों डा. सूचिका चावला, विनीत भनवाला, विजय व अनिल का स्वागत किया। कार्यक्रम में डा. रेनू बालियान ने प्राचीन भारतीय संस्कृति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अतीत को समझने के लिए संग्रहालयों और पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित वस्तुओं का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। विभाग के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विभिन्न कालखंडों की कलाकृतियों और उनकी विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रदर्शनी में दयाल सिंह कालेज करनाल, गवर्नमेंट कालेज फार वूमेन करनाल एवं पंडित चिरंजीवी लाल गवर्नमेंट पीजी कालेज के छात्रों एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

केवीए डीएवी कॉलेज में प्रदर्शनी आयोजित

■ विद्यार्थियों ने पारंपरिक मिट्टी कला का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया

करनाल । पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग हरियाणा तथा केवीए डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन के इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रदर्शनी एवं पॉटरी वर्कशॉप का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में प्राचीन मूर्तियों एवं सभ्यता से जुड़े अवशेषों की प्रतिकृतियां प्रदर्शित की गईं। पॉटरी वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने पारंपरिक मिट्टी कला का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्या मीनू शर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापिकाएं डॉ. मंजू सिंह, डॉ. संगीता गौरांग, डॉ. सुषमा ठाकुर, डॉ. सुनीत भंडारी, डॉ. अंजू नरवाल, इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेनू बालियान व प्राध्यापिका डॉ. परवेश ने पुरातत्व विभाग के प्रतिनिधियों डॉ. सूचिका चावला, विनीत भनवाला, विजय व अनिल का स्वागत किया। डॉ. रेनू बालियान ने कहा कि अतीत को समझने के लिए संग्रहालयों व संरक्षित वस्तुओं का अध्ययन आवश्यक है। विभाग के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विभिन्न कालखंडों की कलाकृतियों, विशेषताओं और हरियाणा के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

करनाल। प्रदर्शन का शुभारंभ करतीं प्राचार्या मीनू शर्मा व अन्य।

4. On September 26, 2025, the Department of History at KVA DAV College for Women, Karnal, in collaboration with the Archaeology and Museums Department, Haryana,

organized **a heritage walk** to commemorate **International Tourism Day.** During the walk, students explored significant historical landmarks such as **Mughal Sarai at Gharaunda and the Cemetery Church Tower, Karnal**, gaining valuable insights from Mr. Vinit Bhanwala of the Archaeology Department. The activity aimed to enhance students' understanding of Haryana's rich historical heritage through direct engagement with historical sites. The program witnessed the active participation of Dr. Renu Baliyan, Dr. Parvesh, Ms. Gurcharan Kaur, and Ms. Leena, along with 116 students from the Department of History. The heritage walk proved to be an enriching, informative, and memorable experience for all participants.

प्राचीन मुगल सराय का प्रवेशद्वार
इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए अधिसूचना सं.1083 दिनांक 01.12.1914 के द्वारा इसे राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में संरक्षित किया गया।

कैंटोनमेंट चर्च टॉवर
यह टॉवर कभी सेंट जेम्स चर्च का हिस्सा था जिसका निर्माण करनाल में छावनी की स्थापना के तुरंत बाद सन् 1806 ई॰ में किया गया था।
सन् 1841 ई॰ में जब छावनी को अंबाला में स्थानांतरित किया गया तो जनता के योगदान से निर्मित इस टॉवर को अक्षुण छोड़ दिया गया।
यह विशाल 35 मीटर ऊँचा टॉवर, तत्कालीन थल सेना परेड मैदान व रेस कोर्स के मध्य में स्थित है। ऊपरी भाग पर एक अलंकृत क्रॉस से सुसज्जित यह टॉवर अंग्रेजी वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है।
शीर्ष मंजिला अर्धवृत्ताकार रोमन मेहराब से सुसज्जित है। इसकी पूरी सतह को चूने से प्लास्टर किया गया है और
इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए अधिसूचना सं. 24847 दिनांक 14.10.1924 के द्वारा इसे राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में संरक्षित

GPS Map Camera
Karnal, Haryana, India
Px4p+fvm, Gahoon Vihar, Karnal, Haryana 132001, India
Lat 29.70647° Long 76.98717°
26/09/2025 01:39 PM GMT +05:30
Google

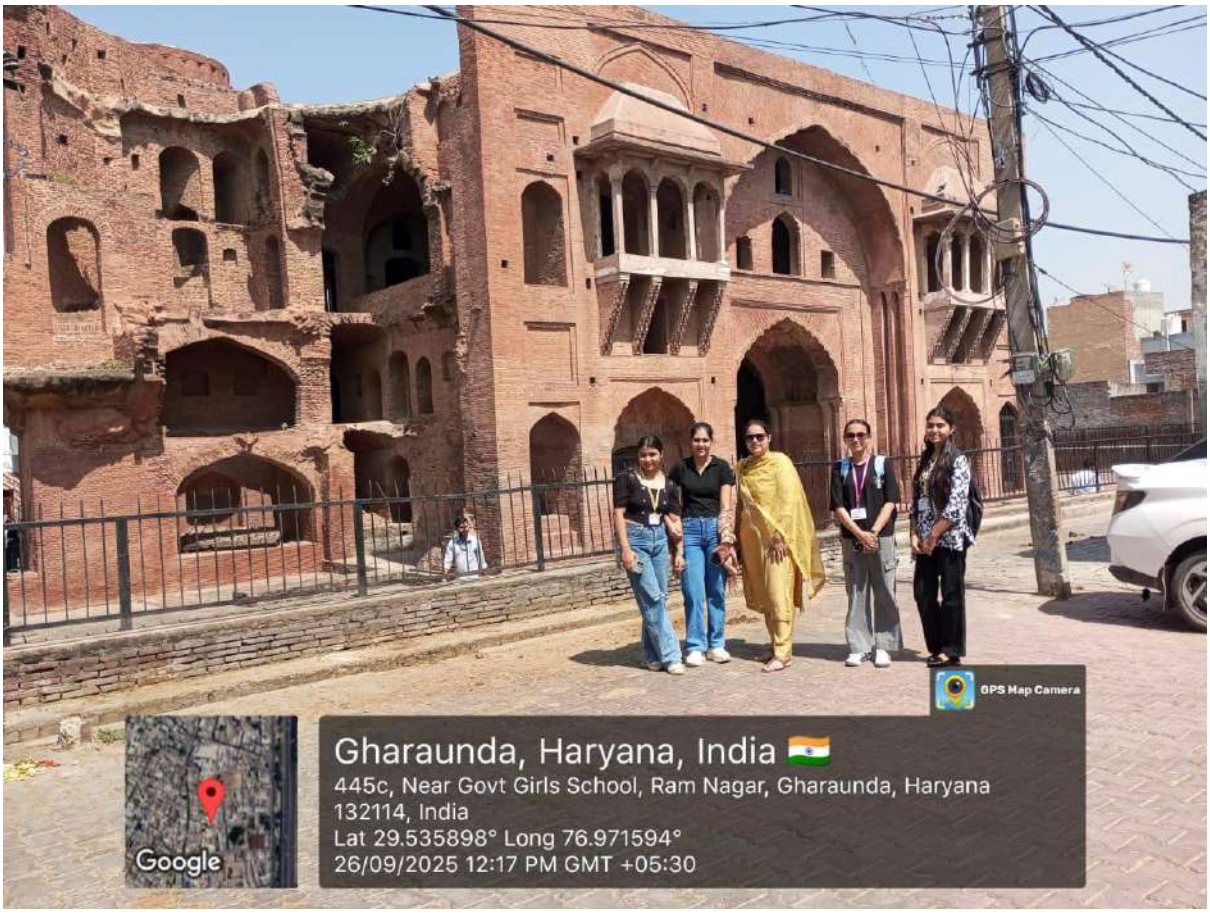
GPS Map Camera
Gharaunda, Haryana, India
445c, Near Govt Girls School, Ram Nagar, Gharaunda, Haryana
132114, India
Lat 29.535898° Long 76.971594°
26/09/2025 12:17 PM GMT +05:30
Google

निगम के संसाधनों में शामिल होगी।

छात्राओं ने ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया

करनाल। केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय के इतिहास विभाग एवं आर्कियोलोजी एंड म्यूजियम विभाग ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर हैरिटेज वॉक का आयोजन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में छात्राओं ने घरौंडा मुगल सराय और कैंटोनमेंट चर्च टावर का भ्रमण किया। आर्कियोलोजी विभाग से विनीत बेनीवाल ने छात्राओं को इन ऐतिहासिक स्थलों के आर्ट और आर्किटेक्चर के बारे में जानकारी दी। इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेणू बालियान और प्राध्यापिका डॉ. प्रवेश, कम्प्यूटर विभाग से गुरचरण कौर और लीना भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं। इस हैरिटेज वॉक में कुल 116 छात्राओं ने भाग लिया।

राजेश सैनी, सतीश राणा, निशा काबाज, स्वर्णजीत शर्मा,
सिंह, रमन बग्गा मौजूद रहे।

मुगल सराय कैंटोनमेंट चर्च टावर का भ्रमण किया

करनाल । केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय के इतिहास विभाग एवं आर्कियोलोजी एंड म्यूजियम विभाग हरियाणा द्वारा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर हैरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में छात्राओं को घरौंडा मुगल सराय कैंटोनमेंट चर्च टावर जैसे ऐतिहासिक लैंडमार्क का भ्रमण करवाया गया। आर्कियोलोजी विभाग से विनीत बेनीवाल ने छात्राओं को घरौंडा मुगल सराय व कैंटोनमेंट चर्च टावर के आर्ट एवं आर्किटेक्चर से अवगत करवाया कि मुगल सराय एक विश्राम गृह था, जिसका निर्माण 1637 ई. में सम्राट शाहजहां के शासनकाल के दौरान फिरोज खान द्वारा किया गया। वह दिल्ली लाहौर ग्रैंड ट्रंक रोड पर यात्रियों की सेवा करता था। इसके वर्तमान दो प्रवेश द्वारों को मुगल वास्तुकार द्वारा लखौरी ईंटों और सुसज्जित बालकानियों के साथ तीन मंजिला बनाया गया था। इस हैरिटेज वॉक में छात्राओं के साथ इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेणू बालियान और प्राध्यापिका डॉ. प्रवेश, कंप्यूटर विभाग से गुरचरण कौर व लीना शामिल रहीं। इतिहास विभाग की 116 छात्राओं ने भाग लिया। इन स्थानों की जानकारी प्राप्त कर एवं प्रत्यक्ष देखकर ज्ञानवर्धन किया।

मुगल सराय व कैंटोनमेंट चर्च टावर का किया दौरा

DEPARTMENT OF HISTORY

घरौंडा की मुगल सराय में पहुंची केवीए डीएवी महिला कालेज की छात्राएं। = विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता = करनाल : केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय के इतिहास विभाग एवं आर्कियोलोजी एंड म्यूजियम विभाग हरियाणा की ओर से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर हैरिटेज वाक का आयोजन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में छात्राओं को घरौंडा मुगल सराय व कैंटोनमेंट चर्च टावर जैसे ऐतिहासिक लैंडमार्क का भ्रमण करवाया गया। आर्कियोलाजी विभाग से विनीत बेनीवाल ने छात्राओं को घरौंडा मुगल सराय व कैंटोनमेंट चर्च टावर के आर्ट एवं आर्किटेक्चर से अवगत करवाया कि मुगल सराय एक विश्राम गृह था, जिसका निर्माण 1637 ईस्वी में सम्राट शाहजहां के शासनकाल के दौरान फिरोज खान द्वारा किया गया। वह दिल्ली लाहौर ग्रैंड ट्रंक रोड पर यात्रियों की सेवा करता था। इसके वर्तमान दो प्रवेश द्वारों को मुगल वास्तुकार द्वारा लखौरी ईंटों और सुसज्जित बालकनियों के साथ तीन मंजिला बनाया गया था। यह सराय जो कभी कक्षों और बुर्जों से घिरी हुई थी। 1857 के विद्रोह के बाद अंग्रेजों ने रेलवे पटरियों के लिए इसकी ईंटों का उपयोग करने के लिए आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया था।

5. On 29th January, 2026. **Thirty-one students** of BA III & II along with Dr Renu Baliyan, Associate Professor of History, visited the KARNPEX-2026 District Level two-day Philately Exhibition at Guru Nanak Khalsa College, Karnal. Organised by the

Department of Posts, Karnal Postal Division, the exhibition showcased Indian philately stamps featuring cultural and heritage. **Ms Rajni Kaushik** and **Ms Khushi (BA III)** participated in a stamp designing competition. Students also engaged in activities like letter writing, games, and pottery making. The visit provided insights into India's rich heritage through stamps.

6. Ms Soni of class B.A I received Consolation Prize of Rupees 200/ E-certificate in the **National Level Online Slogan Writing Competition & Ms Kajal of B.A I** received E-certificate for the participation in **National Level Online Poster making Competition** organized by Department of History, Kumari Vidyavati Anand DAV College for Women, Karnal in collaboration with History Department of Dyal Singh College, Karnal, on the occasion of Birth Anniversary of Swami Dayanand Saraswati on February 12, 2026.

7. Ms Rajni Kaushik of class B.A II secured **Second position** received cash of Rupees 400 and e-certificate in the **National level online Essay writing competition** organized by Department of History**,** Kumari Vidyavati Anand DAV College for Women, Karnal

in collaboration with History Department of Arya P.G College, Panipat on the occasion of National Women's Day (Birth Anniversary of Sarojini Naidu, on February 13, 2026. Ms Angel of B. A I received E-certificate for the participation.

8. Department organized an extension lecture on **'From Tradition to Change: Women in Indian Society'** on February 21, 2026, Dr. Shallu Sachdeva, Assistant Professor, S.D. Mahila Mahavidyalaya Narwana, spoke about women's contributions and evolving status in Indian society, emphasizing education, health, and economic freedom. Principal Meenu Sharma encouraged the students to achieve their goals and work hard to realize their dreams. Dr. Renu Baliyan welcomed Dr. Sachdeva, praising the event's inspiration for students. Ms. Tushali conducted the program smoothly. The event included a captivating poem by Rajni Kaushik and was attended by 140 students. Dr. Parvesh thanked Dr. Shallu Sachdeva, highlighting her insightful lecture. Ms. Gurcharan Kaur from the Computer Department was also present .

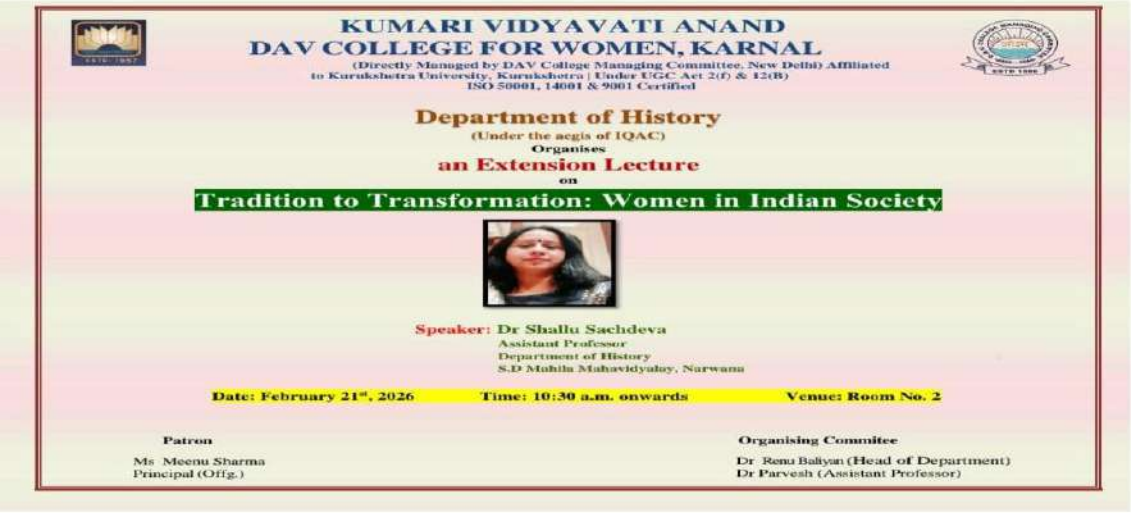

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL
DEPARTMENT OF HISTORY
5

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL
5

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DEPARTMENT OF HISTORY
5
GPS Map Camera
Karnal, Haryana, India
Mxqm+gc8, Railway Rd, New Janta Market,
Sadar Bazar, Karnal, Haryana 132001, India
Lat 29.68912° Long 76.984101°
Saturday, 21/02/2026 10:51 AM GMT +05:30
Google

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNA
DEPARTMENT OF HISTORY
5

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNA
DEPARTMENT OF HISTORY

9. The History Department under the MoU with Dyal Singh College, Karnal successfully organized a one-day educational visit to various historical and cultural sites on February 28th, 2026. The visit began with a trip to Lakshya Milk Plant, where Mr. Mukesh Jaglan provided insights into milk production processes, highlighting the importance of dairy farming in the region. Students then visited Rakhigarhi, a major Harappan civilization site, and explored ongoing excavations led by ASI. The students gained valuable

insights into the lives of the Harappan people, examining artifacts like pottery and tools. Other highlights included visits to Agroha (Hisar), where students saw Buddhist stupa ruins and the Agroha dham temple, showcasing the region's rich cultural heritage. 51-student visit accompanied by Dr. Renu Baliyan, Dr. Parvesh, Ms. Gurcharan Kaur, and Mr. Surender Singh, was a resounding success, sparking new interests and deepening students' appreciation for history.

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL
MENT OF HISTORY
GPS Map Camera
Jitgarth, Haryana, India
Lakshay Milk Plant, Sh 12, Jitgarth, Haryana 126125, India
Lat 29.389922° Long 76.346557°
Saturday, 28/02/2026 09:03 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Jitgarth, Haryana, India
Lakshay Milk Plant, Sh 12, Jitgarth, Haryana 126125, India
Lat 29.390081° Long 76.347321°
Saturday, 28/02/2026 10:13 AM GMT +05:30
Google

लक्ष्य
GPS Map Camera
Jitgarth, Haryana, India
Lakshay Milk Plant, Sh 12, Jitgarth, Haryana 126125, India
Lat 29.390212° Long 76.347475°
Saturday, 28/02/2026 10:55 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Jitgarth, Haryana, India
Lakshay Milk Plant, Sh 12, Jitgarth, Haryana 126125, India
Lat 29.390201° Long 76.347468°
Saturday, 28/02/2026 10:26 AM GMT +05:30
Google

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL
DEPARTMENT OF HISTORY
HISTORY ASSOCIATION
DYAL SINGH COLLEGE
KARNAL
WELCOMES YOU
DYAL SINGH COLLEGE, KARNAL
HISTORY ASSOCIATION
WELCOMES YOU

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL

KUMARI VIDYAVATI ANAND
DAV COLLEGE FOR WOMEN, KARNAL

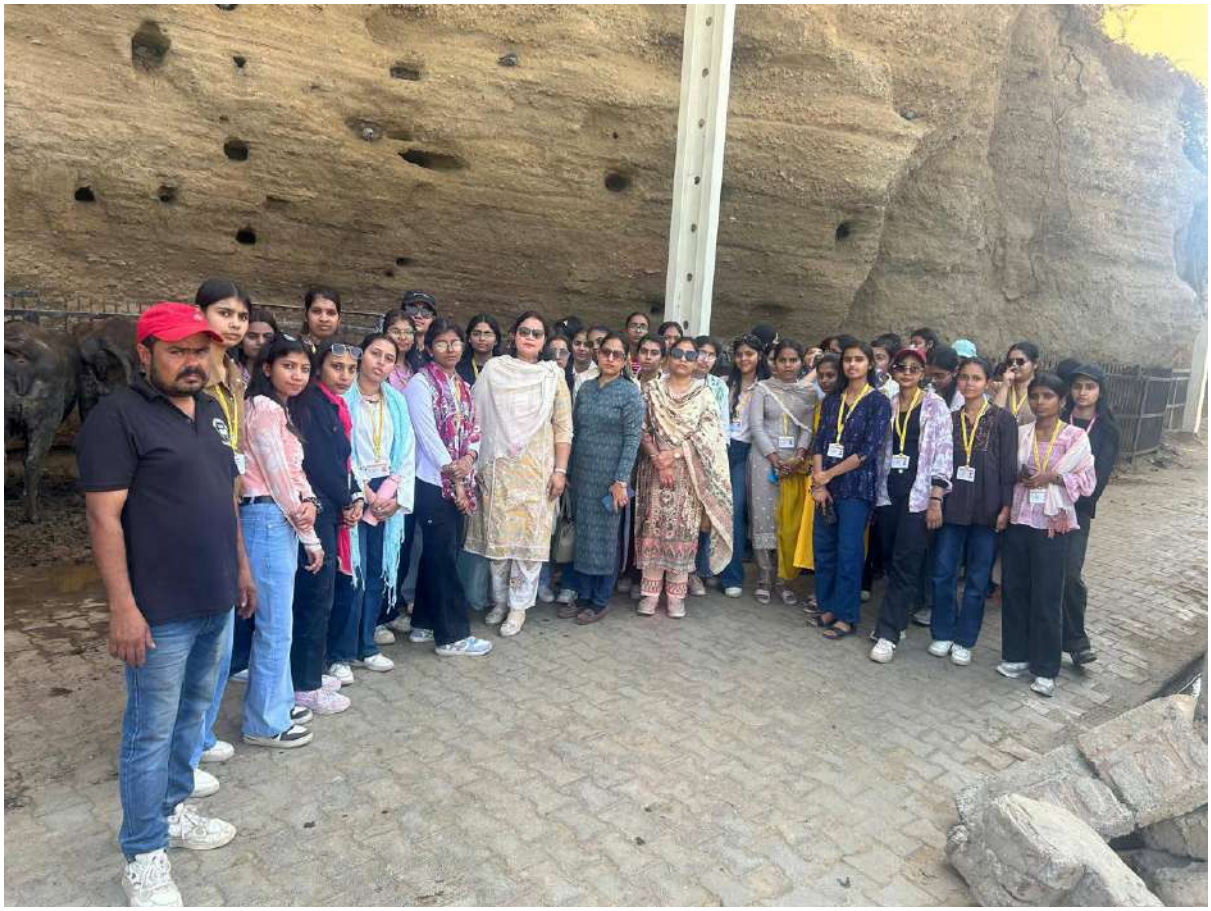

हड़प्पा
ज्ञान
केंद्र
HARAPPAN
KNOWLEDGE
CENTRE

मणि निर्माण
BEAD MAKING

10. Two students of History, Ms Tanya Sharma, B.A III, Ms Rajni Kaushik, B.A III participated in **State Level Online Essay Writing Competition** organized by Department of History, I.G. (PG) Mahila Mahavidyalaya, Kaithal on March 23, 2026 on the occasion of Shaheed Diwas and received e-certificate of appreciation.

11. Three students Ms Shruti, B.A II, Ms Rajni Kaushik, B.A III, Ms Tushali, B.A III participated in online National Level Essay Writing Competition and received e-certificates on the occasion of Maharishi Dayanand Saraswati Jayanti on February 12, 2026 organized by Defence Degree (P.G) College, Tohana, Sirsa.

12. Five students from the Department of History, participated in the Quiz and Essay Writing Competition organized to commemorate the 200th Birth Anniversary of Mahatma Jyotiba Phule on 11th April, 2026 organized by Gandhi Memorial National College, Ambala Cantt., Dr. Ambedkar Foundation, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India. **Ms. Shruti, B.A. II Year**, secured **First Position** in the Essay Writing Competition. She was awarded a cash prize of Rs. 1500/-, a trophy, and a certificate of merit. Ms. Tanya Sharma, Ms. Tushali, Ms. Nagma – Quiz Competition & Ms. Rajni Kaushik – Essay Writing Competition of B.A. III also participated and awarded Certificates of Appreciation.

Ms Shruti during Prize distribution ceremony….

National Multi-Disciplinary Seminar
28 March, 2026

National Multi-Disciplinary Seminar
28 March, 2026
INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH
Celebration of
Birth Anniversary
of
Mahatma Jyotiba Phule
Sponsored by
Dr. Ambedkar Foundation,
Ministry of Social Justice
and Empowerment,
Government of India

GANDHI MEMORIAL NATIONAL COLLEGE, AMBALA CANTT.
Celebration of
200th Birth Anniversary of Mahatma Jyotiba Phule
(Quiz and and Essay Competition)
Sponsored by
Dr. Ambedkar Foundation, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India
11 April, 2026(Saturday)

This is to certify that Mr./Ms. Tushali of school/college Kumari Vidyavati Anand DAV College for women Karnal Class B.A. 3rd year participated in Quiz/ Essay Writing Competition and got — position.

Dr. Rohit Dutt, Principal
Dr. Chander Pal Punia, Convener
Dr. Neha Aggarwal, Organizing Secretary

GANDHI MEMORIAL NATIONAL COLLEGE, AMBALA CANTT.
Celebration of
200th Birth Anniversary of Mahatma Jyotiba Phule
(Quiz and and Essay Competition)
Sponsored by
Dr. Ambedkar Foundation, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India
11 April, 2026(Saturday)

This is to certify that Mr./Ms. Tanya of school/college Kumari Vidyavati Anand DAV College for women Karnal Class B.A. III year participated in Quiz/ Essay Writing Competition and got — position.

Dr. Rohit Dutt, Principal
Dr. Chander Pal Punia, Convener
Dr. Neha Aggarwal, Organizing Secretary

13. Five students along with Dr Parvesh also visited the Markandeshwar Mahadev Temple, Shahabad, Markanda, Kurukshetra a site of great historical and religious significance on April 11, 2026. The visit aimed to acquaint students with the architectural features, cultural heritage, and mythological importance of the temple.